22/7/2020

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रार्थी उपस्थित। विपक्षी संख्या 1 व 2 की ओर से अधिवक्ता शकेयपुरी गोस्वामी एवं विपक्षी सं. 3 की ओर से [illegible] सरकार उपस्थित। विपक्षी संख्या 1, 2 की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया जिसकी प्रति अधिवक्ता प्रार्थी को दिलाई गई। अधिवक्ता प्रार्थी के निवेदन पर बहस उभय पक्ष सुनी गयी।

अधिवक्ता प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र मे वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम शिवसिंहजी का खेड़ा के खाता संख्या 7 मे वर्णित आराजीयात कीता 7 रकबा 3.97 है० प्रार्थी एवं विपक्षी संख्या 1 व 2 के सहखातेदार [illegible] के दर्ज रेकार्ड है, जिसे [illegible] बिना बटवारा कराये अन्य [illegible] का [illegible], हस्तान्तरण करना चा रहे हैं अतः विपक्षीगण को तारफैसला वाद अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द कराया जावे

---- लगातार

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़

Signature Not Verified
Digitally signed by Shyam Sundar Bishnoi
Date: 2021.01.22 17:42:31 IST
Reason: SelfAttested

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

गजेसिंह V/s सोहनसिंह   प्रा.पत्र 104/2020

कि वादग्रस्त आराजीयात का बटवारा कराये बिना किसी भी अन्य व्यक्ति को विक्रय, हस्तान्तरण न करें।

अधिवक्ता विपक्षीगण ने अपने जवाब मे वर्णित तथ्यो को दोहराते हुए कथन किया कि विपक्षी 1, 2 प्रार्थी के भाई एवं माता है। विपक्षीगण बटवारा कराने मे सहमत है लेकिन विपक्षीगण अपनी खातेदारी की आराजीयात का बिना बटवारा कराये भी अपना हक हिस्सा विक्रय कर सकते है, कानुन उन्हे रोका नही जा सकता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारीज फरमाया जावे।

हमने पत्रावली का अवलोकन कर गहनता से अध्ययन किया एवं उभय पक्ष के अधिवक्ता की बहस पर गम्भीरता से मनन किया। ग्राम शिवसिंह का खेडा प.ह. बडोदिया तहसील चित्तौडगढ की आराजी संख्या 15, 16, 17, 18, 113, 114, 115 कीता 7 रकबा 3.97 हे. भूमि प्रार्थी एवं विपक्षी 1 व 2 के सहखातेदारी मे दर्ज है। विपक्षी संख्या 1 व 2 उक्त आराजीयात के खातेदार होने से उन्हे अपना हक हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने से रोका जाना उचित नही है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य नही होने से खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से खारिज हो एवं मूल वाद सं. 067/2020 के साथ संलग्न की जावे।

सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौडगढ

Signature N
Digitally signe
Bishnoi
Date: 2021.01
Reason: SelfA